



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 364]

नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 22, 1979/अग्रहायण 1, 1901

No. 364]

NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 22, 1979/AGRAHAYANA 1, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

आदेश

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

ORDER

New Delhi, the 22nd November, 1979

नई दिल्ली, 22 नवम्बर, 1979

का. आ. 633(अ).—नियन्त्रक महालेखापरीक्षक के (कर्तव्य, शक्तियाँ और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 (1971 का 56) की धारा 10 की उपधारा (1) के तिसरे परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति ने, नियन्त्रक महालेखापरीक्षक के साथ परामर्श करने के बाद, एतद्वारा, नियन्त्रक महालेखापरीक्षक को, मध्य प्रदेश सरकार के चौथी श्रेणी के कर्मचारियों और उक्त सरकार के तीसरी श्रेणी के उन कर्मचारियों (स्थायी कर्मचारी और वे अस्थायी कर्मचारी जिन्होंने लगातार एक वर्ष की सेवा की हो) जिनके नाम स्थापना वेतन बिलों में नहीं हों (शिक्षा विभाग तथा आदिम जाति और हरिजन कल्याण विभाग के प्राथमिक स्कूल शिक्षकों को छोड़कर) के सामान्य भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण करने के दायित्व से मुक्त कर दिया है।

2. यह आदेश 1979-80 के लेखों से लागू होगा।

राष्ट्रपति के आदेश और उनके नाम में

[संख्या एफ. 1(53)-बी. (ए.सी.)/79]

881 Gi/79

S.O. 633(E).—In exercise of powers conferred by the third proviso to sub-section (1) of section 10 of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971 (56 of 1971), the President, after consultation with the Comptroller and Auditor General, hereby relieves the Comptroller and Auditor General from the responsibility of maintaining the General Provident Fund Accounts of Class IV employees of the Government of Madhya Pradesh, and of those Class III employees (permanent employees and temporary employees with one year's continuous service) of the Government of Madhya Pradesh whose names do not appear in the establishment pay bills (excluding the primary school teachers of the Education Department and the Tribal and Harijan Welfare Department).

2. This order shall come into force with effect from the accounts of 1979-80.

By order and in the name of the President.

[No. F. 1(53)-B(AC)/79]

आदेश

का. आ. 634(अ).—नियन्त्रक महालेखापरीक्षक के (कर्तव्य, शक्तियाँ और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971

(1347)

(1971 का 56) की धारा 10 की उपधारा 2 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति ने नियंत्रक महालेखा-परीक्षक के साथ परामर्श करने के बाद मध्य प्रदेश सरकार के तृतीय श्रेणी के अस्थायी कर्मचारियों (उन कर्मचारियों को छोड़कर जिनके नाम वेतन बिलों में नहीं हैं) की प्रथम वर्ष की सेवा के सम्बन्ध में उनके सामान्य भविष्य निधि खातों के अनुरक्षण के लिए विद्यमान व्यवस्था को एतद्वारा समाप्त कर दिया है और उसका दायित्व भारत के नियंत्रक महालेखा-परीक्षक को सौंप दिया है।

2. यह आदेश 1979-80 के लेखों से लागू होगा।  
राष्ट्रपति के आदेश और उनके नाम में

[संख्या एफ. 1(53)-बी. (ए. सी.)/79]

अखिलेश चन्द्र तिवारी, संयुक्त सचिव

#### ORDER

S.O. 634(E).—In exercise of powers conferred by sub-section 2 of section 10 of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971 (56 of 1971), the President, after consultation with the Comptroller and Auditor General, hereby revokes the arrangements in force in regard to maintenance of the General Provident Fund Accounts of temporary class III employees (excluding those whose names do not appear in Pay bills) of the Government of Madhya Pradesh for the first year of their service and entrusts the Comptroller and Auditor General of India with the responsibility thereof.

2. This order shall come into force with effect from the accounts of 1979-80.

By order and in the name of the President.

[No. F. 1(53)-B(AC)/79]

A. C. TIWARI, Jt. Secy.